भाविप्रा के कालीकट अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर रिकॉर्ड समय में रनवे रीकार्पेटिंग का कार्य पूर्ण किया गया

नई दिल्ली, 6 जून, 2023: कुशल योजना और दक्ष परियोजना निगरानी तथा निष्पादन के साथ, भाविप्रा टीम ने कालीकट अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर रिकार्पेटिंग का कार्य , निर्धारित तिथि से बहुत पहले 120 दिनों के रिकॉर्ड समय में पूरा करके एक अविश्वसनीय मील का पत्थर हासिल किया । 60 करोड़ रूपये की अनुमानित लागत वाली परियोजना में हवाईअड्डे के सुरक्षा मानकों को बढ़ाने के उद्देश्य से 2.86 किमी रनवे की री-कारपेटिंग, रनवे सेंटर लाइन लाइट्स और टचडाउन जोन लाइट्स को स्थापित करना शामिल है।

2.5 किमी से अधिक के किसी भी रनवे के री-कारपेटिंग कार्य में औसतन 8 से 9 महीने लगते हैं। कालीकट अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के रनवे की री-कार्पेटिंग का कार्य 27 जनवरी, 2023 को शुरू हुआ और 2 जून, 2023 को केरल में मानसून की शुरुआत से पहले ही सफलतापूर्वक पूर्ण हो गया । री-कार्पेटिंग कार्य में मिलिंग – अर्थात् पिछली बिटुमिनस परत की सतह को हटाना, री-कार्पेटिंग (2860 मीटर लंबा रनवे, रनवे शोल्डर, टैक्सीवे और आरईएसए), ग्लास फाइबर सुदृढीकरण ग्रिड प्रदान करना और रनवे सेंटर लाइन लाइटिंग (आरसीएलएल) और और टच डाउन जोन लाइट्स (टीडीजेड), शामिल कर जिसे सिर्फ 120 दिनों में पूरा किया गया। यह उपलब्धि भाविप्रा द्वारा कुशल परियोजना निगरानी और निष्पादन तथा साफ मौसम के कारण कार्यों हेतु रनवे की निर्बाध उपलब्धता के कारण प्राप्त की जा सकी।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनिवार्य मानकों के अनुसार हवाईअड्डे के रनवे का निर्माण किया जाता है। उड़ानों के बार-बार उतरने और उड़ान भरने के कारण एक अवधि के बाद रनवे पर टूट-फूट हो जाती है। प्राकृतिक मौसम की घटनाएं जैसे वर्षा और सूर्य भी रनवे की सतह को प्रभावित करती हैं। इस प्रकार, यातायात की मात्रा और विमानों कs प्रकारों के आधार पर, प्रचालन आवश्यकताओं के अनुसार रनवे को री-कार्पेट करने की आवश्यकता होती है जिसे विभिन्न कारकों सहित हवाईअड्डा की व्यस्तता और विभिन्न प्रकार के विमानों के आवागमन आदि को ध्यान में रखते हुए किया जाता है।

2.86 किमी कालीकट हवाई अड्डे के रनवे की री –कारपेटिंग और संबद्ध कार्यों की कुशल योजना तैयार की गई थी। चूंकि रनवे को दिन के समय प्रचालन के लिए बंद कर दिया गया था (रनवे को बंद करने के लिए नोटम लिया गया था), दिन की सभी उड़ानों को रात में पुनर्निर्धारित किया गया था। चूंकि रनवे सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक बंद होना था, इसलिए रात्रि के यातायात पर इसका कोई बड़ा प्रभाव नहीं पड़ा। कार्य की योजना इस तरह तैयार कीगई थी कि रनवे को लैंडिंग और टेक-ऑफ के लिए रोजाना शाम 6 बजे तक तैयार किया जाए । हालांकि कालीकट हवाई अड्डे पर प्रतिदिन 70 से 80 उड़ानें प्रचालित होती हैं , दिन के समय (सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे के बीच) 10 से कम उड़ानें प्रचालित होती हैं तथा पुननिर्धारित उड़ानों के परिणामस्वरूप आवागमन की संख्या को ध्यान में रखते हुए आवश्यकताओं की व्यवस्था की गई थी।

हरी-भरी घाटी से घिरे पहाड़ी इलाके में स्थित कालीकट अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा अपने अनोखे टेबल-टॉप रनवे के लिए जाना जाता है। हवाईअड्डा वर्तमान में प्रतिदिन 70 उड़ानों और लगभग 4000 यात्रियों के आवागमन को संभाल रहा है।

निगमित संचार निदेशालय, भाविप्रा द्वारा जारी
विस्तृत जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें: महाप्रबंधक (सीसी) 011-24622787
प्रेस विज्ञप्ति संख्या 10/2023-24

AAI's Calicut International Airport completes the Runway Re-Carpeting Work in record time

New Delhi, 6th June, 2023: With meticulous planning and efficient project monitoring & execution, AAI Team accomplished an incredible milestone by completing re-carpeting work at Calicut International Airport in a record time of 120 days, much ahead of the scheduled date. The project with an estimated project cost of Rs. 60 Crore included re-carpeting of the 2.86 km Runway, fixing of Runway Centre Line lights and Touchdown Zone lights, aimed at enhancing the safety standards of the airport.

The Re-Carpeting work of any runway of over 2.5 kms takes 8 to 9 months on an average. The work for re-carpeting of Runway of Calicut International Airport commenced on 27th January, 2023 and successfully completed on 2nd June 2023, well before the onset of monsoons in Kerala. The re-carpeting work included milling - i.e. removal of previous bituminous layer surface, re-carpeting (2860 meters long runway, runway shoulders, taxiway and RESA), providing glass fibre reinforcement grid and laying of Runway Centre Line Lighting (RCLL) and Touch Down Zone Lights (TDZ), which was completed in just 120 days. This feat could be achieved by AAI owing to efficient project monitoring & execution and un-interrupted availability of runway for works due to clear weather.

Airport runways are built to comply with internationally mandated standards. Frequent landing and take-off of flights lead to wear and tear of runways over a period of time. Natural weather phenomena like rain and sun also affect the runway surface. Thus, depending on the volume of traffic and the variety of aircraft, the runway needs to be re-carpeted as per the operational requirements. This is done taking into consideration of various factors including, how busy the airport is and the variety of aircraft that it handles etc.

The re-carpeting of the 2.86 km Calicut Airport Runway and allied works were planned meticulously. As the runway was closed for operations during the day (NOTAM initiated for closure of runway), all daytime flights were rescheduled to night. Since the closure of the runway was from 10AM to 6PM, this didn’t have any major impact on the night traffic. The work was planned in such a way that the runway was readied for landings and take-offs by 6PM everyday. Although Calicut Airport has 70 to 80 flight movements everyday, less than 10 flights operate during day time (between 10AM and 6PM) and arrangements were in place to cater to rescheduled flights and the resultant footfall.

Calicut International airport situated on hilly terrain surrounded by a lush green valley is known for its unique Table-Top Runway. The airport is currently handling 70 movements and approximately 4000 passenger footfalls per day.

Issued by Corporate Communications Directorate, AAI
For details please contact: GM (CC) 011-24622787
Press Release No. 10/ 2023-24